सीवेज लाइन मरम्मत से रास्ता बंद

चार दिन से परेशान लोग, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

नवभारत न्यूज
विदिशा 30 नवम्बर, शहर के बजरिया क्षेत्र में सीवेज लाइन के चौक होने के बाद नगर पालिका द्वारा सड़क खोदकर पाइपलाइन सुधारने का काम किया जा रहा है.पिछले चार दिनों से जारी इस कार्य के कारण पूरा मार्ग अवरुद्ध हो गया है, जिससे स्थानीय व्यापारियों, रहवासियों और राहगीरों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है.

क्षेत्रवासियों का कहना है कि रोड संकरी होने के कारण काम शुरू होते ही यातायात पूरी तरह बाधित हो जाता है. लगातार उठ रही धूल और कीचड़ से आसपास के दुकानदारों के व्यवसाय पर भी असर पड़ा है. कई दुकानदारों ने बताया कि ग्राहकों को आने-जाने में दिक्कत होने से बिक्री पर सीधा असर पड़ रहा है. वहीं स्थानीय रहवासियों ने बताया कि पाइपलाइन कई दिनों से खुदी पड़ी है, लेकिन काम की गति बेहद धीमी है. लोगों ने नगर पालिका से जल्द से जल्द मरम्मत कार्य पूरा करने की मांग उठाई है. नगर पालिका के कर्मचारियों ने बताया कि पाइपलाइन खराब होने के कारण उसे बदलने में समय लग रहा है. उनका कहना है कि पाइपलाइन जोड़ने और लीकेज रोकने के बाद सड़क को समतल कर जल्द ही मार्ग सुचारू कर दिया जाएगा. क्षेत्र के व्यापारी और आम नागरिक उम्मीद कर रहे हैं कि काम गति पकड़े, ताकि रोजाना होने वाली समस्या से जल्द राहत मिल सके.

फांसी के फंदे पर लटका मिला युवक का शव

नवभारत न्यूज
सिरोंज 30 नवम्बर, क्षेत्र के ग्राम चंदाढाना में एक युवक का शव रविवार की सुबह एक खेत में पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटका मिला. जब लोगों को इसको देखा, तो उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी. इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की. मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच कर रही है. पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम चंदाढाना में 23 वर्षीय युवक हुकुम सिंह अहिरवार का शव अपने ही खेत में पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटका मिला. जिससे उसकी मौत हो गई. रविवार को सुबह जब लोगों को घटना की जानकारी मिली, तो उन्होंने घटना के बारे में पुलिस को सूचना दी. जिसपर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की. मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है. मामले में जांच के बाद ही घटना के कारणों के बारे में पता चल सकेगा. मृतक युवक के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है. उन्होंने बताया कि जानकारी मिली है कि मृतक युवक कुछ ही समय पहले गांव लौटा था. जिसके बारे में भी जांच पड़ताल की जा रही है.

मंदिरों में साफ-सफाई, सजावट और विशेष कार्यक्रम

नवभारत न्यूज
विदिशा, गीता जयंती के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का भव्य एक दिसम्बर को आयोजन जिला मुख्यालय सहित सभी विकासखण्डों व निकायों में किया जाएगा.जिला मुख्यालय पर सोमवार एक दिसम्बर को विदिशा के रविन्द्रनाथ टैगोर सांस्कृतिक भवन में कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 10 बजे किया जाएगा. इस संबंध में कलेक्टर अंशुल गुप्ता द्वारा विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं.

करंट लगने से विद्युत कर्मचारी की मौत

नवभारत न्यूज
पठारी, नगर के रहने वाले चंद्रेश विश्वकर्मा पुत्र नत्थू लाल विश्वकर्मा की 11 केवी लाइन चंदनपुर के पोल पर चढ़कर विद्युत लाइट सुधारने का कार्य कर रहा था कि तभी विद्युत कर्मचारी की लापरवाही के चलते विद्युत लाइट चालू कर दी गई.जिससे लाइन अटेंडर चंद्रेश विश्वकर्मा को करंट लग गया जिसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पठारी लाया गया जिसे डॉक्टर ने मृत्यु घोषित कर दिया.

एक नजर में

बांटी स्वेटर, पूरी सब्जी-हलुआ भी किया वितरित

नवभारत न्यूज
गंजबासौदा, नागरिक समिति बासौदा एवं सेवा भावी संस्था दमयंती धर्म कांटा सेवार्थ के अध्यक्ष योगेश भाई शाह के सहयोग से 300 से ज्यादा निर्धन लोगों को सर्दी से बचने के लिए 300 कंबलों का वितरण किया गया.इस अवसर पर राधेश्याम साहू की तरफ से पूरी सब्जी और हलुआ का वितरण भी किया गया.यह जानकारी देते हुए नागरिक सेवा समिति के प्रवक्ता राजकुमार मलकानी ने बताया कि इस अवसर पर नेत्र शिविर नागरिक समिति के अध्यक्ष कांति भाई शाह, समिति के सह सचिव विनीत अरोरा, दयाशंकर जायसवाल, राधेश्याम साहू, महेंद्र सिंह सूर्यवंशी ,बाबूराम सचान , प्रकाश माहेश्वरी, सुरेश कुमार जी जैन, सतपाल तवानी, सुरेश तमरकर, खेमचंद मेहता, प्रकाश वाधवानी, राम गोपाल गुप्ता , रेलवे विभाग से हेमंत राय ,देवी प्रसाद भावसार नेतराम मिश्रा, प्रदीप नेमा,सुरेश चंद्र जैन ,, जितेंद्र दॉगी , नटू भाई,देवी लाल कुशवाह, लाल बहादुर ताम्रकार,हरि सिंह जी ठाकुर दिलीप खिलवानी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे.

आज निकलेगी श्रीमद् भागवत कथा को लेकर कलश यात्रा

नवभारत न्यूज
पठारी, नगर में होने जा रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा को लेकर आज दिन सोमवार 1 दिसंबर 7 दिसंबर तक चलेगी जिसको लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई है.कथा दोपहर 2 बजे से प्रारंभ होगी जो हर इच्छा तक चलेगी जिसकी कलश यात्रा आज सोमवार को सुबह दस बजे से स्थानीय छोटी माता मंदिर से प्रारंभ होगी जो नगर के मुख्य बाजार बस स्टैंड एवं प्रमुख मार्गो से होते हुए निकल जाएगी.श्रीमद् भागवत कथा के अध्यक्ष धनसीग बागड़ी ने बताया कि सोमवार को सुबह फार्म चौराहा शिव मंदिर पर पूजा अर्चना कर छोटी माता मंदिर के लिए प्रस्थान करेंगे जहां पर माता मंदिर में पूजा अर्चना कर डीजे एवं ढोल नगाड़ों के साथ निकाली जाएगी जिसमें बग्गी पर कथा वाचक प्रियंका किशोरी एवं महिला संगीत कीर्तन मंडली के साथ महिलाओं द्वारा सर पर मंगल कलश रखकर चल समारोह में सम्मिलित होंगे शिव मंदिर समिति के सदस्य एवं नगर व क्षेत्रवासी भी सम्मिलित रहेंगे.

अमानक आयुर्वेद औषधियों को मेडिकल स्टोर से हटाएं अन्यथा होगी कार्यवाही

नवभारत न्यूज
विदिशा,संचालनालय आयुष भोपाल मप्र द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में जांच के दौरान 6 प्रकार की आयुर्वेद औषधियां सैंपलिंग में अमानक मानक के विपरीत पाई गई हैं, जो कि अन्य जिलों में भी देखी गई हैं.जांच के दौरान कफ कुठार रस, लक्ष्मी विलास रस (नारदीय), प्रवाल पिष्टी, मुक्ता शुक्ति, गिलोय सत्व और कामदूधारस औषधियां अमानक पाई गई हैं. जिला आयुष अधिकारी पदेन ड्रग इंस्पेक्टर ने बताया कि विदिशा जिले में संचालित सभी मेडिकल स्टोर्स संचालकों को निर्देशित किया गया है कि दी गई अमानक घोषित आयुर्वेद औषधियों को वह अपने स्टोर से हटा दें.स्टोर से उक्त दावाओं को ना हटाए जाने पर संबंधित फर्म और मेडिकल स्टोर्स के विरुद्ध अनुशासनात्मक, विधिक कार्यवाही की जाएगी. सभी मेडिकल स्टोर यह सुनिश्चित करेंगे कि उपरोक्त दवा तत्काल स्टॉक से हटाई जाए तथा भविष्य में केवल मानक एवं अनुमोदित आयुष औषधीयों का ही भंडारण और विक्रय करें.

बोरी बंधान कर गांव को जल समृद्ध बनाने लिया संकल्प

कर्राखेड़ी में ग्रामीणों ने किया सामूहिक श्रमदान

छोटे-छोटे प्रयास भी बड़ा बदलाव ला सकते हैं- प्रमोद

नवभारत न्यूज
सिरोंज 30 नवम्बर, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद से संबद्ध नवांकुर संस्था सर्वधर्म जनकल्याण सेवा समिति के सहयोग से ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति कर्राखेड़ी द्वारा रविवार को ग्राम में बोरी बंधान का कार्यक्रम आयोजित किया गया. जिसमें ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व और इसके दीर्घकालिक लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई.

कार्यक्रम संयोजक प्रमोद रघुवंशी ने बताया कि जल संकट एक गंभीर वैश्विक समस्या बनता जा रहा है, ऐसे में जलसंरक्षण को लेकर किये जाने वाले छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिवर्तन ला सकते हैं. उन्होंने जल संचय अभियान के तहत बोरी बंधान तकनीक की उपयोगिता समझाते हुए कहा कि इससे जल का संरक्षण संभव होता है, साथ ही जलस्तर में होने वाली वृद्धि खेती एवं पशुपालन को भी मजबूती प्रदान करती है. इससे पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान मिलता है. ग्रामवासियों ने इस पहल में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. और सामूहिक श्रमदान के माध्यम से बोरी बंधान की संरचना तैयार की. इस मौके पर ग्रामीणों ने मिलकर अपने गांव को जलसमृद्ध और पर्यावरण सुरक्षित बनाने का संकल्प लिया. इस अवसर पर प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष राधारमण कुर्मी, सचिव कपिल कुर्मी, देवी सिंह सेन, दीपक कुमार, भविष्य सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे.

अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराई 30 हेक्टेयर भूमि

नवभारत न्यूज
ग्यारसपुर, डीएफओ हेमंत यादव के मार्गदर्शन एवं एसडीओ विदिशा हिमांशु त्यागी के निर्देशन में परिक्षेत्र ग्यारसपुर में कार्यवाही की गई.ग्यारसपुर परिक्षेत्र की बीट मोहम्मदगढ़ के कक्ष क्रमांक 69 एवं 70 में वन भूमि से 30 हेक्टेयर अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्यवाही की गई.कार्यवाही में कंटूर एवं सीपीटी खोदकर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त किया गया.वन परिक्षेत्र अधिकारी ग्यारसपुर श्रीमति मुस्कान शिवहरे द्वारा बताया गया कि अतिक्रमण मुक्त क्षेत्र में शीघ्र ही रूट शूट एवं बीज रोपण किया जाएगा.कार्यवाही में मुकेश शर्मा, नरेश अहीरवार,भारत मिश्रा, रामसखा वर्मा, अनुज शर्मा, रितेश अहीरवार, शोभाराम विश्वकर्मा एवं वन परिक्षेत्र का समस्त वन स्टाफ उपस्थित रहा.

सेंटमेरी कॉलेज में आयोजित हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम

नवभारत न्यूज
विदिशा,सेंट मैरी पीजी महाविद्यालय की एनसीसी इकाई द्वारा एनसीसी दिवस के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल सनी वैध 14 एमपी बटालियन विदिशा के साथ सूबेदार मेजर हृदय रंजन तथा सेंट मैरी पीजी महाविद्यालय के संचालक फादर सिन्टो वर्गिस रहे महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी कैप्टन डॉ रामानंद मिश्रा ने बताया कि इस कार्यक्रम में एसएटीआई पॉलिटेक्निक से मेजर संजीव माथुर, एग्रिकल्चर कॉलेज गंजबासौदा से कैप्टन डॉ सतीश शर्मा, गर्ल्स से लेफ्टिनेंट डॉ विनीता प्रजापति, लेफ्टिनेंट मुकेश आजाद एसएटीआई डिग्री, प्रो उषा तिग्गा एसएटीआई डिग्री कॉलेज के साथ महाविद्यालय से फादर डॉ जोवी थोमस प्राचार्य डॉ नलिन थपियल, सिस्टर प्रभावती आदि उपस्थित थे.

महामृत्युंजय जाप व प्राण प्रतिष्ठा के साथ हुई शिव परिवार की स्थापना

नवभारत न्यूज
विदिशा, विदिशा के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ डीपी श्रीवास्तव की धर्मपत्नी एवं शहर के सुप्रसिद्ध रेडियोलॉजिस्ट डॉ. पीयूष श्रीवास्तव की माताजी स्वर्गीय श्रीमती उषा श्रीवास्तव की स्मृति में गायत्री प्रज्ञापीठ, स्वर्णकार कॉलोनी में शिव परिवार की स्थापना करवाई.इस अवसर पर दो दिवसीय भव्य धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया.गत शनिवार को सूर्योदय से सूर्यास्त तक महामृत्युंजय मंत्र का अखंड जाप संपन्न हुआ.पूरे दिन प्रज्ञापीठ परिसर वैदिक मंत्रों से गुंजायमान रहा.सायं 6 बजे विराट दीप-यज्ञ के साथ अखंड जाप का विधिवत समापन किया गया.

रविवार प्रातः 10 बजे से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा गायत्री यज्ञ के माध्यम से की गई. इस अवसर पर भोपाल उप-जोन प्रभारी श्री रघुनाथ प्रसाद हजारी आचार्य के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने पूरे विधि-विधान के साथ अनुष्ठान सम्पन्न करवाया.इसके पश्चात दोपहर 1 बजे से सभी श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी का वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया.कार्यक्रम में गायत्री परिवार के जिला संयोजक मुकेश तिवारी,मुकेश श्रीवास्तव, डॉ अमित नेमा, डॉ लोकेश्वरी नेमा, राजाराम पवार,जोगी दुबे, श्रीमती सुमन श्रीवास्तव, श्रीमती गीता श्रीवास्तव ,श्रीमती रश्मि पोरवाल तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, भक्तगण एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे.कार्यक्रम के अंत में सभी ने स्वर्गीय उषा श्रीवास्तव के जीवन मूल्यों और सेवाभाव को नमन किया. आयोजन ने संपूर्ण क्षेत्र में आध्यात्मिक ऊर्जा, सद्भाव और संस्कारों का संदेश प्रसारित किया.

रुद्र महायज्ञ में भगवान वासुदेव का अन्नाधिवास विधि-विधान से संपन्न

नवभारत न्यूज
गंजबासौदा,स्थानीय राजेंद्र नगर स्थित बाबा रामदेव मंदिर के श्रीधाम दरबार में जारी रुद्र महायज्ञ एवं विभिन्न देव-प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत रविवार को भगवान वासुदेव की स्थापना से पूर्व अन्नाधिवास संस्कार अत्यंत श्रद्धा और वैदिक रीति-विधानों के साथ संपन्न हुआ.

इस अवसर पर समस्त यजमानों ने मंत्रोच्चार के बीच भगवान वासुदेव का अर्चन-पूजन कर अन्नाधिवास पूर्ण किया. पंडित केशव गुरुजी ने इस दौरान कहा कि साधक की साधना उसी मूर्ति में प्रतिष्ठित होती है, जिसे वह भावपूर्वक स्थापित करता है. भगवान श्रीरामदेव जी बाबा के उत्कृष्ट साधक के रूप में मंदिर के संस्थापक पंडित हरि नारायण जी पाठक के द्वारा स्थापित भगवान वासुदेव निश्चय ही जनकल्याण एवं भक्तों की मनोकामना पूर्ण करने वाले सिद्ध होंगे. आयोजन में गुना, अशोकनगर, भोपाल, विदिशा, बैरसिया, इंदौर सहित विभिन्न नगरों से आए भक्तों ने भाग लेकर प्रतिष्ठा कार्य को सौभाग्यपूर्ण बनाया.नगर में इस महायज्ञ और प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर विशेष आध्यात्मिक उत्साह का वातावरण बना हुआ है.

बेतवा तट पर साफ-सफाई के साथ सामाजिक सोच पर भी ब्रश चलाने की आवश्यकता-दीपेश शर्मा

नवभारत न्यूज
गंजबासौदा,साप्ताहिक श्रमदान अभियान 5.0 के तहत रविवार को बेतवा नदी तट पर आठवें चरण का स्वच्छता कार्यक्रम सम्पन्न हुआ. श्रमदान दल के सदस्यों ने दो घंटे तक श्रम कर न केवल घाट की गंदगी हटाई, बल्कि समाज के सामने यह प्रश्न भी रखा कि आखिर हम नदी को पूजते हैं या उसे कचरा घर समझ चुके हैं.

दल के सदस्यों ने कहा कि लोगों को दिखावटी सामाजिकता का मुखौटा हटाने की जरूरत है.आज का बड़ा वर्ग फोटो खिंचवाकर, सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर स्वयं को समाजसेवी साबित करने में अधिक रुचि दिखा रहा है. जबकि वास्तविक सामाजिक जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लिया गया है. स्वच्छता के दौरान बेतवा नदी के घाटों पर बड़ी मात्रा में मेडिकल सामग्री पाई गई, जिसमें इंजेक्शन के रैपर, दवाइयों के पत्ते, ग्लूकोज़ की बोतलें एवं अन्य चिकित्सीय कचरा शामिल था.इस पर श्रमदान दल ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि बड़ी मात्रा में मेडिकल सामग्री का नदियों के घाटों पर फेंका जाना निश्चित ही मूर्खता का परिचायक है.ऐसा कचरा न केवल पर्यावरण के लिए हानिकारक है, बल्कि नदी में स्नान करने वाले बच्चों, बुजुर्गों और मवेशियों के लिए भी गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है.आठवें चरण के स्वच्छता अभियान में श्रमदान दल के सदस्य दिनेश चौरसिया, दीपेश शर्मा, नितिन अग्रवाल और आकाश जैन ने सक्रिय सहयोग दिया. सभी ने मिलकर न केवल शारीरिक श्रम किया, बल्कि घाट पर आने वाले लोगों को स्वच्छता एवं नदी संरक्षण के प्रति जागरूक करने का भी प्रयास किया.

गृहस्थ ही कलियुग का श्रेष्ठ आश्रम, धर्मसभा में संत परंपरा के उदाहरणों से अलौकित हुई गीता जयंती

नवभारत न्यूज
गंजबासौदा, गृहस्थ आश्रम ही मोक्ष का सुगम मार्ग है, यह बात संत परंपरा स्वयं सिद्ध करती है. नरसी भगत ने गृहस्थ में रहते हुए भक्ति से भगवान को पाया, मीरा ने महलों के भीतर रहते हुए श्रीकृष्ण को पाया, और संत तुकाराम, नामदेव जैसे महापुरुषों ने भी पारिवारिक दायित्व निभाते हुए दिव्य भक्ति का प्रकाश फैलाया. कलियुग में वही सबसे महान कहलाता है, जिसने अपने घर को मंदिर, और जीवन को पूजा बना लिया.

इस कलयुग में संतों की परंपरा इस बात का प्रमाण है कि भगवान वैरागी की कुटिया में नहीं, गृहस्थ के आँगन में अवतरित होते हैं. चाहे श्रीराम हों या श्रीकृष्ण, भक्त की निष्काम भक्ति से प्रसन्न होकर ईश्वर ने जन्म, गृहस्थ के द्वार पर ही लिया है. यह सिद्ध करता है कि गृहस्थ जीवन केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सबसे बड़ा आश्रम, सबसे महान तपस्या है. परिवार में रहकर, बच्चों का लालन-पालन करते हुए, अपने कर्तव्यों को निभाते हुए भी यदि मनुष्य सदाचार और भक्ति को नहीं छोड़ता, तो वही सच्चा योगी, वही सच्चा तपस्वी है.रसोई घर हवनकुंड बन जाए, परिवार सेवा का रूप लेकर तपस्या बन जाए और कर्म ही ध्यान का रूप ले ले तो वही गृहस्थ संत कहलाता है. मंगलवार 1 दिसंबर को गीता जयंती के उपलक्ष में आयोजित हो रहे पांच दिवसीय गीता जयंती महोत्सव समापन का समापन होगा. उक्त उद्गार स्टेशन रोड स्थित नौलखी मंदिर में सनातन धर्म सेवा संस्थान के तत्वाधान में गीता जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित हो रहे पांच दिवसीय प्रवचन की श्रृंखला में रविवार को चतुर्थ दिवस पर गीता मर्मज्ञ भागवताचार्य पंडित भगवान प्रसाद जी शास्त्री मानस रत्न ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए अपने अंतर्मन के भाव व्यक्त किए। शास्त्री जी ने प्रवचन के दौरान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को बताए गए भक्ति, विराट स्वरूप और ज्ञान कर्म संन्यास योग की अमृत धारा को व्यक्त किया. प्रवचन के दौरान शास्त्रीजी ने चौथे अध्याय के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को कर्मयोग, भक्ति का स्वरूप और विराट दर्शन का जो मार्ग दिखाया, वह आज भी गृहस्थ को प्रकाश देने वाला दीपक है. उन्होंने गृहस्थ आश्रम को ही मोक्ष का सबसे सुगम मार्ग बताते हुए साधारण जीवन में असाधारण भक्ति को ही कलियुग की सर्वोच्च साधना माना. जो अपने संबंधों में ईश्वर को देख ले और कर्तव्यों में धर्म को पहचान ले, वही गृहस्थ नहीं, एक जीवित साधक है.

प्रवचन

राजेंद्र नगर मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में प्रेमभूषण जी महाराज का संदेश

विवाह केवल संबंध नहीं, संस्कार हैं, आडंबर नहीं, आचरण की आरती

नवभारत न्यूज
गंजबासौदा, राजेंद्र नगर स्थित श्रीधाम बासौदा दरबार के भगवान श्री रामदेव मंदिर में चल रहे नवदिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव एवं रामकथा के छठवें दिवस सोमवार को प्रेमभूषण जी महाराज ने राम-विवाह प्रसंग के माध्यम से आधुनिक विवाह व्यवस्था पर सारगर्भित, मार्मिक और विचारोत्तेजक संदश दिया.रामचरितमानस की पवित्र कथा से राजनीति, समाज और परिवारों के आचरण तक महाराजश्री ने मंच से ऐसी वाणी प्रवाहित की जिसने उपस्थित जनसमुदाय को भीतर तक झकझोर दिया.कथा के दौरान वेदांत आश्रम के महंत हरिहर दास जी महाराज ने भी कथा व्यास का सम्मान किया.

श्रीधाम बासौदा दरबार के पीठाधीश्वर हरिनारायण पाठक जी महाराज के पावन संकल्प से आयोजित कथा का गायन करते हुए पूज्य महाराज श्री ने कहा कि हमारे हाथ में केवल हमारा कर्म है.हमारे कर्म से ही हमारा प्रारब्ध बनता है.कोई भी व्यक्ति किसी और के भाग्य को बदल नहीं सकता है.क्योंकि उसका भाग्य तो उसके अपने ही कर्मो से बना होता है. कर्म का फल हर हाल में खाना होता है और सनातन धर्म विश्वास पर ही टिका है. इस कथा के मुख्य यजमान राजकुमार शर्मा ने सपरिवार कथा के प्रारंभ में व्यास पीठ पूजन का पूजन किया और आरती में सम्मिलित हुए. महाराजश्री ने कहा कि आज विवाह द्वार पर नहीं, गोवा, खजुराहो में हो रहे हैं. अर्थात् विवाह अब संस्कार का स्थल न होकर पर्यटन का ठिकाना होता जा रहा है.लोग व्यवहार में कुछ और, आचरण में कुछ और हो गए हैं. विवाह जैसे पवित्र संस्कार में भी अब बाहरी चमक-दमक की खोज है, जबकि विवाह का मूल उद्देश्य दो आत्माओं का मिलन और दो परिवारों का संस्कार मिलन होता है. उन्होंने कहा कि यदि हमें विवाह अपने नगर के बाहर करना पड़े तो ऐसा स्थान चुनना चाहिए जहाँ संस्कार भी जुड़ें, तीर्थ-संगति हो.विवाह के भरोसे तीर्थ यात्रा भी हो जाए, यही भारतीय परंपरा है.महाराजश्री ने राम-विवाह की मर्यादा का स्मरण कराते हुए कहा कि वहाँ न कोई दिखावा था, न कोई मांग, न कोई प्रदर्शन विवाह में मर्यादा ही मंगलसूत्र थी और सम्मान ही वरमाला.

उन्होंने कहा कि जीवन हमारा क्या है यह हमें लोग न बताएं, यह हमारे आचरण एवं व्यवहार से स्वयं प्रकट हो. विवाह में प्रेम और मर्यादा का सम्मान होना चाहिए, न कि खर्चे और मांगों का. महाराजश्री ने पुराने समय की परंपराओं को याद दिलाते हुए कहा कि पहले परिवार यह देखते थे कि लड़का-लड़की कितने संस्कारी हैं, उनका आचरण कैसा है. वहीं से तय होता था कि इस विवाह में मर्यादा क्या होगी, सम्मान क्या होगा.

सांची में महाबोधि महोत्सव का भव्य आगाज, दूसरे दिन उमड़ा विशाल जनसैलाब

नवभारत न्यूज
सांची,विश्व धरोहर सांची में दो दिवसीय महाबोधि महोत्सव-2025 और चेतियागिरी विहार के 73वें वार्षिकोत्सव का शुभारंभ शनिवार शाम बुद्ध जम्बूद्वीप पार्क में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ. कार्यक्रम में श्रीलंका की उच्चायुक्त महामहिम महिशिनी कॉलोन, प्रदेश के प्रभारी मंत्री नारायण सिंह पंवार, स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेन्द्र पटेल, महाबोधि सोसायटी श्रीलंका के प्रमुख वानगल उपतिस्स नायक थेरो सहित अनेक अधिकारी मौजूद रहे.

प्रभारी मंत्री पंवार ने कहा कि आज के वैश्विक हालातों में बुद्ध का शांति, करुणा और सहअस्तित्व का संदेश अत्यंत प्रासंगिक है. स्वास्थ्य राज्यमंत्री पटेल ने सांची को बौद्ध धम्म का अनुपम तीर्थ बताया.महोत्सव में श्रीलंका के दल द्वारा लोकनृत्य, भक्ति गायन, वेस नृत्य और बुद्ध का त्याग नृत्य-नाटिका सहित अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भाव-विभोर किया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महोत्सव के लिए शुभकामना संदेश भेजते हुए कहा कि बुद्ध का संदेश आधुनिक विश्व की सभ्यता के लिए मार्गदर्शक है.

दूसरे दिन स्तूप परिसर में भारी भीड़, शहर में बार-बार जाम

रविवार सुबह वार्षिकोत्सव के दूसरे दिन भगवान बुद्ध के परमशिष्यों के पवित्र अवशेषों की पूजा-अर्चना और परिक्रमा के लिए हजारों श्रद्धालु उमड़ पड़े. रेलवे स्टेशन से लेकर स्तूप तक पूरे मार्ग में भीड़ रही और बार-बार जाम की स्थिति बन गई. पार्किंग व्यवस्था पर्याप्त न होने से लोग वाहनों को सड़क किनारे खड़ा करते रहे, जिससे अव्यवस्था बढ़ी. कई बच्चे भीड़ में बिछड़ गए, जिन्हें नगर परिषद द्वारा की गई घोषणाओं से परिजनों से मिलाया गया. पुरातत्व विभाग ने स्तूपों के निशुल्क दर्शन की सुविधा प्रदान की, जिससे भीड़ और बढ़ी.